क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रेस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्स्योरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 180, मंगलवार, 24 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सोशल मीडिया पर नहीं है बसपा, सारे अकाउंट्स फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पाटी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया पर पार्टी के फर्जी अकाउंट को लेकर कड़ा रुख अख्तिार किया है। उन्होंने बसपा और अपने नाम से चल रहे सभी फेसबुक पेज और ट्विटर अकाउंट को फर्जी बताया है। बसपा प्रमुख ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी की पूरे देश में न तो कोई अधिकृत वेबसाइट है, और न ही किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट है। उन्होंने कहा कि बसपा ने मीडिया में अपना पक्ष रखने के लिए वरिष्ठ नेता सुधींद्र भदौरिया को अधिकृत किया है। उनके अलावा किसी अन्य नेता को बसपा की ओर से कुछ भी कहने का अधिकार नहीं है। 'बीएसपी यूथ' के नाम से चलाई जा रही एक वेबसाइट और उससे जुड़े एक व्यक्ति देवाशीष जरारिया का जिक्र करते हुए मायावती ने कहा कि बसपा अपनी हर कमेटी में लगभग 50 प्रतिशत युवा को रखती है। इसलिए बसपा को किसी अन्य यूथ फ्रंट बनाने की जरूरत नहीं है। देवाशीष का बसपा से कोई संबंध नहीं है। उनके द्वारा मीडिया में रखे जा रहे विचारों का भी बसपा से कोई संबंध नहीं है। पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की बयानबाजी से अक्सर फजीहत झेलने वाली राजनैतिक पार्टियों से सबक लेते हुए मायावती ने यह सख्त कदम उठाया है। अगले लोकसभा चुनाव में गठबंधन की संभावनाओं को देखते हुए मायावती किसी तरह का जोखिम उठाने के मूड में नहीं हैं। वह अपने नेताओं और कार्यकताओं को पहले भी सख्त चेतावनी जारी कर चुकी हैं। गौरतलब है कि गलतबयानी पर पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं वीर सिंह और जय प्रकाश सिंह को बाहर का रास्ता दिखाने के बाद मायावती ने सोशल मीडिया पर बने कई अकाउंट और फर्जी लोगों द्वारा बसपा का पक्ष रखने वालों के खिलाफ मोचा'खोला है।

संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाकर खुद फंसी कांग्रेसः सीएम योगी

एटा (एजेंसी)। सीएम योगी ने एटा में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस संसद में अविश्वास प्रस्ताव लाकर खुद अपने जाल में घिर गई। अगले चुनाव में फिर कांग्रेस को मार खानी पड़ेगी। उत्तर प्रदेश के देवरिया में कुछ सरकारी प्राथमिक स्कूलों को आदर्श इस्लामिक प्राथमिक विद्यालय के रूप में नामकरण करने पर कहा कि इस प्रकार के किसी जाति धर्म पर स्कूलों का नामकरण नहीं करना चाहिए। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा इस पर कार्रवाई होगी। प्रदेश में शिक्षकों की फर्जी नियुक्तियों में भी कार्रवाई की जाएगी। प्रेसवार्ता के दौरान योगी ने कहा कि 16 महीनों में प्रदेश में और 4 साल से देश में मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार काम कर रही है। प्रदेश में बिना भेदभाव के कल्याणकारी योजनाएं सभी को मिलें, इसके लिए मैं निरीक्षण करने प्रदेश में घूम रहा हूं। एटा में दो दिन में महसूस किया कि ये जिला व्यापक उपेक्षाओं का शिकार रहा है। 1882 को स्थापित ये जनपद काफी पिछड़ा है। अब यहां मेडिकल कॉलेज मिलने जा रहा है। कासगंज के सोरों को पर्यटन के बेहतर स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। अयोध्या और मथुरा को नगर निगम के रूप में विकसित किया। काशी के विकास के नए युग की शुरुआत हुई है।

चित्रकूट को भी विकसित किया गया। पहले की सरकारों ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एटा में बाईपास बनेगा। सपा ने 63 हजार तो हमने 1 लाख 85 हजार आवास बनाए। 5494 ग्रामीण में और 748 शहरी क्षेत्र में आवास एटा के अंदर बनाए गए हैं। जिले में 349 करोड़ 28 लाख के कर्ज माफकिए गए हैं।

एटा में 111644 शौचालय ग्रामीण में 3678 शहरी क्षेत्र में शौचालय बनाए हैं। स्वच्छ भारत मिशन को और भी आगे बढ़ाएंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मॉडल स्कूल का दौरा कर वहां बच्चों के साथ कुछ समय बिताया। वहां एक ही कमरे में दो कक्षाएं संचालित होते देख, उसे ठीक करने के आदेश दिए। इस सबके बाद वे हेलीकॉप्टर से हाथरस के लिए रवाना हो गए।

»»» पुलिस ने कहा- मेडिटेशन, फोटो वायरल

एसएचओ ने साध्वी से कराई सिर की मालिश,

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की वर्दी पहनकर साध्वी से 'मालिश' कराने की फोटो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद जनकपुरी थाने के एसएचओ को पुलिस लाइन ट्रांसफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, जनकपुरी थाने के एसएचओ इंद्रपाल सिंह की एक फोटो सोशल मीडिया में वायरल हुई थी। फोटो में यह देखा जा सकता है कि पुलिस की वर्दी में एसएचओ साहब एक महिला साध्वी से सिर पर 'मालिश' करवा रहे हैं। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद आज एसएचओ इंद्रपाल सिंह को जनकपुरी

थाने से हटाकर पुलिस लाइन ट्रांसफर भेज दिया गया है। हालांकि, इससे पहले दिल्ली पुलिस ने यह कहा था कि यह कोई मालिश नहीं बल्कि मेडिटेशन के जरिये तनाव को दूर करने की क्रिया थी। फोटो में जिस महिला को एसएचओ साहब की मालिश करते दिखाया गया है उसका नाम साध्वी नमिता आचार्य बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह फोटो उत्तम नगर स्थित साध्वी के ऑफिस का है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विजय कुमार ने बताया कि इंद्रपाल सिंह को डिस्ट्रिक्ट लाइन भेज दिया गया है क्योंकि उनका वर्दी में वहां जाना उचित

फोटो में जिस महिला को एसएचओ साहब की मालिश करते दिखाया गया है उसका नाम साध्वी नमिता आचार्य बताया जा रहा है।

नहीं था। एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) के नेतृत्व में सतर्कता जांच का आदेश दिया गया है। ज्ञात हो कि पिछले साल विवेक विहार थाना के प्रभारी संजय शर्मा की तस्वीर विवादास्पद साध्वी राधे मां के साथ सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें भी लाइन हाजिर कर दिया गया था।

सरकार कर रही दूसरे राज्यों से आने वाले आगंतुकों का ब्योरा तैयार

जनसंख्या पर अंकुश लगाने के लिए सरकार सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में बढ़ती आबादी पर अंकुश लगाने और दूसरे राज्यों से स्वरोजगार व कोचिंग करने व शिक्षा हासिल करने के लिए आने वाले लोगों को दिल्ली सरकार डाटा तैयार कर रही है। जिसके तहत इस बात पर फोकस किया जा रहा कि किस राज्य से कितने लोग यहां किस उद्देश्य से आ रहे हैं। इसके तहत वे यह भी जानकारी ले रहे हैं कि इनमें कितने लोग अस्थायी रूप से और कितने स्थायी लोग से यहां बसने के इरादे से आ रहे हैं। इसमें हम दो हमारे दो परिवार नियोजन पर भी फोकस किया जा रहा है। राज्य सरकार, नगर निगम, दिल्ली छावनी परिषद, केंद्र सरकार के अस्पतालों और परिवार नियोजन पॉलीक्लीनिकों में हर दिन जन्म लेने वाले शिशुओं का लिंगीय अनुपात, गर्भवती महिलाओं का ब्योरा भी तैयार किया जा रहा है। इसके लिए परिवार कल्याण निदेशालय के साथ 9 जिलों के सीडीएमओ को लगाया गया है। जो हर सप्ताह की जानकारी निदेशालय को का उपलब्ध कराएंगे। सोशल साइट्स का भी सहारा : परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त निदेशक डा. एचएस खरे ने कहा कि परिवार नियोजन के प्रति लोगों को जागरूक करने और उसके लिए मौजूद योजनाओं और कार्यक्रमों को साझा करने के लिए दिल्ली सरकार वेबसाइटों का सहारा ले रही है। लोगों तक जरूरी जानकारियां पहुंचाने के लिए सरकार ने विशेष वेबसाइट बनाया गया है। जिसके माध्यम से संबंधित डाटा भी साझा किया जा रहा है। इन दिनों लगभग प्रत्येक युवा के हाथों में जहां मोबाइल है। वहीं घरों में इंटरनेट और वाइफाई जैसे माध्यमों की भी पहुंच लगातार बढ़ रही है। ऐसे में परिवार नियोजन को लेकर डिजिटली कार्यक्रम चलाना बेहद फायदेमंद साबित होगा। वेबसाइटों पर परिवार कल्याण केंद्र, अनुप्रेषित लूप, नसबंदी, महिला और पुरुष की संख्या, ओरल पिल्स और कंडोम के विषयों पर जानकारी विशेष रूप से उपलब्ध है। सरकार बांध्याकरण और नसबंदी के लिए लाभार्थी और डॉक्टर दोनों को ही प्रोत्साहन राशि देती है। लाभार्थी को जहां बंध्याकरण के लिए 600 वहीं नसबंदी के लिए 1100 रु पए दिए जाते हैं। वहीं डॉक्टरों को भी सर्जरी के लिए 75 से 100 रु पए दिया जाता है। अधिकारी ने कहा कि जनगणना 2011 के अनुसार दिल्ली की आबादी 1 करोड़ 67 लाख 53 हजार 235 है। इस माह के 17 जुलाई तक 183 मोहल्ला क्लीनिकों में मरीजों की स्क्रीनिंग शुरू की जा चुकी है। अन्य योजनाओं में यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम, वैक्सीनेशन प्रिवेंटिव डिजीज के तहत टीकाकरण चलाया जा रहा है।

शहीदों को नमन

कारगिल युद्ध में शहीद हुए जवानों की स्मृति में रविवार को पटना में पराक्रम परेड नाम से एक रैली आयोजित की गई । इस रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने में भाग लिया।

राहुल गांधी बोले, भारत के दबे-कुचले लोगों की लड़ाई लड़ें

कांग्रेस ने बनाई 300 सीटों की रणनीति

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कांग्रेस वर्किंग कमिटी (CWC) की रविवार को अहम बैठक में भारत की ग्रैंड ओल्ड पार्टी ने 2019 के चुनावों की रणनीति पर चर्चा की। कांग्रेस ने लोकसभा की 300 सीटों पर जीत की रणनीति बनाई है। बैठक में एनडीए के खिलाफ रणनीतिक गठबंधन की बात कही गई लेकिन नेताओं ने शर्त रखी कि इसका नेतृत्व राहुल गांधी को और इसके केंद्र में कांग्रेस होनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बोले, भारत के दबे-कुचले लोगों की लड़ाई लड़ें। वहीं दूसरी ओर पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने 2019 की चुनावी रणनीति के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। 12 राज्यों में कांग्रेस मजबूत है और अगर पार्टी अपनी क्षमताओं में 3 गुना इजाफा करे तो 150 सीटें जीती जा सकती हैं। इसके अलावा अन्य राज्यों में गठबंधन की मदद से कांग्रेस 150 और सीटें जीत सकती है। एक तरह से पी चिदंबरम ने मोटा-मोटी 300 सीटों पर जीत का फार्मूला देने की कोशिश की।

मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरूः संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी भी मोदी सरकार पर हमलावर दिखीं। पीएम मोदी की भाषण-शैली से उनकी मायूसी जाहिर होती है, जो इस बात का सूचक है कि मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। कांग्रेस वर्किंग कमिटी में 2019 के लिए रणनीतिक गठबंधन बनाने पर चर्चा हुई। इस गठबंधन के केंद्र में कांग्रेस होनी चाहिए।

मनमोहन सिंह ने मोदी पर साधा निशाना

बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने पीएम मोदी की निरंतर आत्म-प्रशंसा और जुमलेबाजी की संस्कृति को खारिज किया। मनमोहन सिंह ने कहा कि यह विकास के लिए जरूरी ठोस नीति के विरुद्ध है। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने के दावे को पूरा करने के लिए कृषि क्षेत्र में 14 फीसदी संवृद्धि दर की दरकार है, जो कहीं दिखती नहीं है।

छह बड़ी बातें

- पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने संबोधन में कांग्रेस अध्यक्ष को भरोसा दिलाया कि वह और दूसरे सभी कांग्रेसजन भारत के सामाजिक सद्भाव और आर्थिक विकास को बहाल करने के मुश्किल भरे काम को पूरा करने में उनके साथ हैं।
- सिंह ने कहा कि मैं राहुल जी को विश्वास दिलाता हूं कि हम सामाजिक सद्भाव और आर्थिक विकास को बहाल करने के मुश्किल भरे काम को पूरा करने उनका पूरा सहयोग करेंगे।
- कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत की आवाज के तौर पर कांग्रेस की भूमिका तथा वर्तमान एवं भविष्य की इसकी जिम्मेदारी के बारे में भी याद दिलाया और आरोप लगाया कि भाजपा संस्थाओं, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और गरीबों पर हमले कर रही है।
- राहुल गांधी ने कहा कि नवगठित कार्यसमिति अनुभव और जोश का समावेश है तथा यह अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच सेतु का काम करेगी।
- वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह और जनार्दन द्विवेदी नहीं पहुंचे। उन्हें वर्किंग कमेटी से बाहर कर दिया गया था।
- सोनिया गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि देश की जनता को उस 'खतरनाक शासन' से बचाना होगा, जो भारत के लोकतंत्र को संकट में डाल रहा है।

आप विधायक को कनाडा में नहीं मिली एंट्री,

एयरपोर्ट से ही लौटाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब से आम आदमी पार्टी के विधायकों को कनाडा में स्थानीय प्रशासन द्वारा बेरुखी झेलनी पड़ी है। दोनों विधायक पार्टी से जुड़े किसी काम से कनाडा गए हुए थे। लेकिन उन्हें कनाडा के एयरपोर्ट से ही भारत लौटा दिया गया। रविवार को कनाडा के ओटावा हवाई अड्डे पहुंचे आप विधायक कुलतार सिंह संधवा और अमरजीत सिंह संदोआ को हिरासत में ले लिया गया था। दोनों नेताओं से पूछताछ के बाद उन्हें वापस भारत भेज दिया गया था। दोनों नेताओं को भारत वापस भेजने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो विधायक कुलतार को कनाडा हवाई अड्डे पर नहीं रोका गया था।

कुलतार सिंह संधवा कोटकपूरा से और अमरजीत रोपड़ से आप विधायक हैं।

अमरजीत सिंह संदोआ पर चल रहा है आपराधिक केस

आप विधायक अमरजीत सिंह संदोआ पर आपराधिक मामला चल रहा है। उन पर आरोप है कि उन्होंने किराए के मकान में रहते हुए मकान मालकिन के साथ छेड़छाड़ की थी। पीड़िता ने छेड़छाड़ के साथ मारपीट और धमकी देने का भी मामला दर्ज कराया था।

संधवा ने दी सफाई

विधायक कुलतार सिंह संधवा ने पूरे मामले पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट से डिपोर्ट नहीं किया गया। यह सब तारतम्य बिगड़ने की वजह से हुआ है। पहले से शेड्यूल की सूचना देकर आने की बात कही।

»»» सीसीटीवी कैमरे पर मांगी सलाह

पाकरे के रखरखाव के लिए दोगुनी रकम देगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों से सलाह मांगी कि वह सीसीटीवी कैमरे लगवाने के बारे में अपनी राय दें।

अगले रविवार को इस मसले पर बैठक होगी। वहीं, उन्होंने पार्क में जाने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों से कहा कि वह दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीवाल के संपर्क में रहें। वहीं, आयोग के हेल्प लाइन नंबर 181 व मेल आईडी पर शिकायत भी दर्ज कराई जा सकती है। दिल्ली सरकार ने पाकरे के रखरखाव की रकम दोगुनी कर दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरडब्ल्यूए व स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ हुई बैठक में रविवार को इसका ऐलान किया।

केजरीवाल ने दिल्ली को हरा-भरा करने के लिए दूसरी कई घोषणाएं भी कीं। दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसाइटी (डीपीजीएस) में रजिस्टर्ड संस्थाओं को ही सरकारी मदद मिलेगी। वहीं, सीसीटीवी लगाने के लिए भी मुख्यमंत्री ने आरडब्ल्यूए से प्रस्ताव मांगे।दरअसल, मुख्यमंत्री ने रविवार को अपने आवास पर करीब 261 आरडब्ल्यूए व स्वयं सेवी संस्थाओं के साथ बैठक की।

इसमें खास जोर पार्कों के रखरखाव व हरियाली बढ़ाने पर रहा। बैठक में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रति एकड़ पार्क के रखरखाव पर अभी तक एक लाख रु पए मिलते थे। सरकार ने इसे बढ़ाकर दो लाख रु पए कर दिया है। सरकारी मदद दिल्ली पार्क एंड गार्डन सोसाइटी में रजिस्टर्ड संस्थाओं को मिलेगी। दिलचस्प यह कि दिल्ली सरकार से मिलने वाली मदद पूरी दिल्ली में समान रूप से दी जाएगी।

कॉलोनी के ग्रेड के हिसाब से इसका आवंटन नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि डीपीजीएस के जरिए 90 फीसद वित्तीय मदद मिलेगी।

10 फीसद आरडब्ल्यूए या एनजीओ को लगाना होगा। मुख्यमंत्री ने गुजारिश की कि पार्क की बोरवेल/मोटर की मरम्मत का काम सरकारी मदद से दस दिन में पूरा कर लिया जाए। इसके लिए डीपीजीएस को एक पत्र लिखना होगा। इसके बाद नयी पॉलिसी को लागू कर दी जाए।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अनुदान लेने की प्रक्रिया को भी आसान बनाया जा रहा है। इसमें कागजी कार्रवाई न्यूनतम रखी जाएगी। उन्होंने आरडब्ल्यूए से अपील की कि पौधरोपण कार्यक्रम में वह हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। अगले महीने चलाई जाने वाली मेगा ड्राइव का जल्द ही ऐलान किया जाएगा।

बुद्धिमान को चाहिए कि वह धन का नाश, मन का संताप, घर के दोष, किसी के द्वारा ठगा जाना और अपमानित होना-इन बातों को किसी के समक्ष न कहे -चाणक्यनीति

जीएसटी'

कर यानी जीएसटी परिषद ने एक साथ 50 से ज्यादा सामग्रियों पर शुल्क घटाकर और रिटर्न के फार्म को सरल बनाकर लंबे समय की शिकायतों का निवारण किया है। इससे पहले जनवरी में भी कई सामानों से कर कम किया गया था। जीएसटी दरों को तार्किक करने और कर देने वालों के लिए रिटर्न भरना आसान करने की मांग तभी से हो रही है जबसे यह लागू हुआ। जीएसटी परिषद ने समय-समय पर इन मांगों को स्वीकार करते हुए कई फैसले किए हैं। वर्तमान फैसला उसी दिशा की अगली कड़ी है। इसमें आम आदमी के उपयोग में आने वाले, छोटे स्तरों पर निर्मित और दस्तकारी के छोटे सामानों को प्राथमिकता दी गई है। उदाहरण के लिए सैनिटरी नैपकिन को जीएसट से छूट देने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसे पूरा कर दिया गया है। अभी तक इस पर 12 प्रतिशत कर लगता था। राखी को भी जीएसटी से बाहर कर दिया गया है। जिन अन्य उत्पादों पर जीएसटी की दर कम की गई हैं, उनमें जूते-चप्पल (फुटवियर), छोटे टीवी, पानी गर्म करने वाला हीटर, बिजली से चलने वाली इस्त्री (आयरन) मशीन, रेफ्रिजरेटर, बाल सुखाने वाले उपकरण (हेयर ड्रायर), वैक्यूम क्लीनर, खाद्य उपकरण, निर्माण क्षेत्र के काम आने वाले तराशे हुए कोटा पत्थर, सैंड स्टोन और इसी गुणवत्ता के अन्य स्थानीय पत्थर, और इथेनॉल शामिल हैं। इथेनॉल पर कर को 5 प्रतिशत कर देने से लोग डीजल पेट्रोल में इसे मिलाने के लिए उत्साहित हो सकते हैं। सालाना पांच करोड़ रुपये से नीचे के कारोबार करने वाले छोटे कारोबारियों के लिए तिमाही रिटर्न का फैसला और सहज आसान फार्म तैयार करना इनके लिए बहुत बड़ी राहत लेकर आया है। जीएसटी करों की दर और इसके रिटर्न की समस्याएं मोदी सरकार के लिए राजनीतिक रूप से भी जोखिम वाली हो गई थी। चाहे गुजरात हो या कर्नाटक भाजपा को अपेक्षा से थोड़ा कम वोट और सीटें मिलने के पीछे व्यापारियों का असंतोष एक प्रमुख कारण माना गया था। छोटे व्यापारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एवं टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली इकाइयों के संगठन कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड एप्लाइंसेस मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन (सीईएएमए) ने इन दोनों फैसलों का स्वागत कर यह संदेश दे दिया है कि सरकार से अब उनकी नाराजगी काफी कम हो गई है। इससे केंद्र एवं भाजपा ने जरूर राहत की सांस ली होगी।

सरकार के खिलाफ अविास प्रस्ताव

किसी को आश्चर्य नहीं हुआ होगा कि तेलुगू देशम और अन्य विपक्षी दलों द्वारा लोक सभा में केंद्र सरकार के खिलाफ अविास प्रस्ताव मत विभाजन के बाद औंधे मुंह गिर गया। आश्चर्य तो इस बात पर है कि मानसून सत्र के शुरू में ही सरकार के खिलाफ अविास प्रस्ताव आखिर क्यों लाया गया? विपक्ष को मालूम था कि लोक सभा में संख्या बल उसके पास नहीं है तो फिर आखिर वह किस बात की परीक्षा लेना चाह रहा था? संविधान के मुताबिक कोई भी राजनीतिक दल सत्ता में तब तक बना रह सकता है, जब तक कि उसके पास बहुमत के लिए आवश्यक संख्या बल हो। संविधान का अनुच्छेद 75 (3) में स्पष्ट प्रावधान है कि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होगा। लोक सभा नियमों के तहत अविास प्रस्ताव सामूहिक उत्तरदायित्व का परीक्षण करता है। तो क्या विपक्ष इस अविास प्रस्ताव के जरिये भाजपा के सांसदों और उसके सहयोगी दलों की निष्ठा को परखना चाहता था, जो प्रधानमंत्री मोदी से असंतुष्ट माने जा रहे थे। संसद के इतिहास में यह 27वां अविास प्रस्ताव था। इससे पहले जो भी सत्तारुढ़ दल विास मत जीतने में असफल रही हैं, वे गठबंधनों की सरकार थी। अभी तक एक भी ऐसा उदाहरण सामने नहीं आया है, जब किसी पार्टी की अपने बूते सरकार हो और वह विास मत हासिल न कर पाई हो।

जाहिर है कि अविास प्रस्ताव के जरिये विपक्ष और सरकार दोनों अपने मुद्दों को जनता तक पहुंचाना चाहते थे। शायद इसीलिए लोक सभा अध्यक्ष ने अविास प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार कर लिया। अविास प्रस्ताव पर राहुल गांधी ने किसानों की स्थिति, बेरोजगारी और भीड़ द्वारा हत्या जैसे मामलों को गंभीरता से उठाया। भाषण खत्म करने के बाद उन्होंने मोदी को गले लगाकर यह जताया कि वह प्रधानमंत्री मोदी के समकक्ष हैं। उनकी इस देहभाषा से पता चलता है कि उन्हें राजनीति में छवियों और प्रतीकों के महत्त्व का ज्ञान है। राफेल सौदे पर भी उनकी टिप्पणी थोथी साबित हुई। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के इस अविास प्रस्ताव का अपनी पार्टी के पक्ष में भुनाने में सफल रहे। इस मौके को उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखने में पूरी तरह सफल रहे।

सत्संग

आत्मिक व आध्यात्मिक

शिष्य का नाता साधारण सांसारिक नाता नहीं है, अपितु यह पूर्णरूपेण आत्मिक व आध्यात्मिक नाता है। साधक को गुरु से जिस नाम रूप का उपदेश मिला है, जिस नाम और जिस रूप में श्रद्धा, प्रेम और विास की अधिकता हो और जो अपनी आत्मा के अनुकूल प्रतीत होता हो, उस नाम के जप-ध्यान से अधिक लाभ हो सकता है। नाम में पाप नाश की स्वाभाविक शक्ति है। गुरु जो हमें सत्पथ पर चलाते हैं, सत्स्वरूप आत्मा व परमात्मा का बोध कराते हैं, उन गुरु की महिमा मानव रूप में अवतार धारण करके परमात्मा ने भी स्वीकार की है व प्रतिष्ठापित की है। हमारे शास्त्रों ने गुरु को मानव मात्र मानने वालों की दुर्गति का स्पष्ट वर्णन किया है। शिष्य गुरु को ब्रह्मा, विष्णु, महेश व यहां तक कि साक्षात परमब्रह्म का स्वरूप समझे, परंतु जहां शिष्य से गुरु को परमात्मा समझने का आदेश है, वहीं गुरु को भी कहा है कि वह स्वयं को भगवान न समझ बैठे। आज तो इतना पावन व महान गुरु -शिष्य का नाता मात्र अंधे-बहरे का नाता होकर रह गया है। गुरु तत्व ज्ञान से रहित है व शिष्य के दोषों को देखता नहीं। यदि सौभाग्य से जीवन की वास्तविकता से अवगत कराने वाले गुरु मिल जाएं तो शिष्य सुनता नहीं, इसलिए उसे बहरा कहा। जो गुरु शिष्य का धन तो हरण कर ले परंतु भ्रम, शोक, अज्ञान इत्यादि का हरण न कर सके, ऐसा गुरु शिष्य को तो क्या उबारेगा, वह स्वयं भी नरक की यातनाएं सहेगा। गुरु से तात्पर्य है, जो हमें अज्ञान से ज्ञान की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, मृत्यु से अमृतत्व की ओर की ओर बढ़ाए। गुरु मात्र मिल जाना सौभाग्य हो सकता है, लेकिन मात्र मिलने से ही सब कुछ होने वाला नहीं है। जैसे डॉक्टर मिलने मात्र से या उसके द्वारा रोग विशेष की सर्वोत्तम औषधि देने मात्र से रोग दूर होने की गारंटी नहीं होती। डाक्टर मिले, अच्छी दवा मिले, उस दवा को निर्देशानुसार व्यवहार में लाएं, उसके बताए परहेज के अनुसार चलें तो रोग दूर होने की संभावना हो सकती है। ऐसे ही गुरु मिलें, उनके कहे अनुसार अपने जीवन को बनाएं। संत, गुरु व परमात्मा की सबसे सच्ची व सबसे बड़ी सेवा उनके कहे अनुसार जीवन बनाने में है।

विपक्ष एकजुट

सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ने इसका समर्थन किया जो अपने कार्यकाल में बिहार जैसे राज्य को विशेष दरजा देने से इनकार कर चुकी थी। आंध्र प्रदेश का विभाजन भी उसी ने किया था लेकिन पुनर्गठन कानून में विशेष राज्य का कोई प्रावधान नहीं डाला। बावजूद उसका सबसे उत्साहित होकर अविास प्रस्ताव का समर्थन करना साबित कर रहा था कि उसकी निगाहें कहीं और हैं। तो अविास प्रस्ताव का विश्लेषण इसी आधार पर करना होगा कि आखिर लोक सभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी की निगाहें कहां थी? या यह अवसर उसके लिए क्या साबित करने का था? इस अविास प्रस्ताव के द्वारा कांग्रेस के सामने तीन प्रमुख लक्ष्य थे। एक, यह दिखाना कि नरेन्द्र मोदी सरकार और भाजपा के खिलाफ विपक्ष एकजुट है।

सतीश पेडणोकर

विचार का यह विषय होना ही नहीं चाहिए कि सरकार नहीं गिरी तो अविास प्रस्ताव का क्या मतलब? हालांकि यह अभी तक के अविास प्रस्तावों से इस मायने में भिन्न था कि किसी क्षेत्रीय पार्टी तेलुगू देशम ने अपने राज्य को विशेष दरजा न दिए जाने को लेकर इसकी पहल की। विडम्बना देखिए कि उसे जिन क्षेत्रीय पार्टियों का समर्थन मिलना चाहिए था, उनमें से ज्यादातर का नहीं मिला। सबसे पहले कांग्रेस पार्टी ने इसका समर्थन किया जो अपने कार्यकाल में बिहार जैसे राज्य को विशेष दरजा देने से इनकार कर चुकी थी।

आंध्र प्रदेश का विभाजन भी उसी ने किया था लेकिन पुनर्गठन कानून में विशेष राज्य का कोई प्रावधान नहीं डाला। बावजूद उसका सबसे उत्साहित होकर अविास प्रस्ताव का समर्थन करना साबित कर रहा था कि उसकी निगाहें कहीं और हैं। तो अविास प्रस्ताव का विश्लेषण इसी आधार पर करना होगा कि आखिर लोक सभा में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी की निगाहें कहां थी? या यह अवसर उसके लिए क्या साबित करने का था? इस अविास प्रस्ताव के द्वारा कांग्रेस के सामने तीन प्रमुख लक्ष्य थे। एक, यह दिखाना कि नरेन्द्र मोदी सरकार और भाजपा के खिलाफ विपक्ष एकजुट है। दूसरे, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में वह क्षमता है कि वो मोदी को प्रभावी चुनौती दे सकें। तीसरे, ज्यादातर विपक्षी पार्टियां 2019 के चुनाव में कांग्रेस के साथ कंधे-से-कंधा मिलाकर चलने को तैयार हैं। अन्य कुछ पार्टियों के भी अपने लक्ष्य थे। लेकिन कुल मिलाकर 2019 को ध्यान में रखते हुए आम अपेक्षा तो यही थी कि लोक सभा से भविष्य के मोदी एवं भाजपा विरोधी एक महागठबंधन का संदेश निकलेगा।

क्या ऐसा हो पाया? अविास प्रस्ताव रखते हुए तेलुगू देशम के सांसद जयदेव गल्ला ने भाषण आरंभ किया तो उनका पहला हमला कांग्रेस पर ही था। उन्होंने कांग्रेस पर आंध्र प्रदेश का अलोकतांत्रिक, अवैज्ञानिक, निरंकुशता और अन्यायपूर्ण तरीके से बांटने का आरोप लगाया। किए गए वायदे को पूरा न करने का आरोप भी कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार पर लगाया। उसके बाद वो मोदी सरकार पर आए। वे जब यह उदाहरण दे रहे थे कि आपने फलां क्षेत्र के लिए इतना किया, फ्लां जगह यह दिया और हमारे यहां नहीं दिया। इससे यह साबित होता था कि केंद्र सरकार ने अनेक राज्यों एवं क्षेत्रों के लिए काफी कुछ किया, पर आंध्र की अनदेखी कर दी।

जयदेव गल्ला के भाषण से साफथा कि तेदेपा को 2019 में कांग्रेस की महागठबंधन आकांक्षा से कोई लेनादेना नहीं। तो शुरु आत ही कांग्रेस की दृष्टि से धक्का पहुंचाने वाला था। तेलंगना राष्ट्र समिति ने अविास प्रस्ताव में मतदान करने से अपने को अलग कर लिया। बीजू जनता दल ने भी सदन से बहिगर्मन किया। अन्नाद्रमुक ने मोदी सरकार के पक्ष में मतदान कर दिया। तो कहां निकला मोदी और भाजपा विरोधी कांग्रेस के छाते से विपक्षी महागठबंधन का संदेश? हालांकि भाजपा के लिए भी शिवसेना का अविास प्रस्ताव से बाहर रहना और राहुल के भाषण की प्रशंसा करना धक्का था। बावजूद इसके आश्चर्यजनक रूप से 325 मत प्राप्त हो गए। इसके समानांतर विपक्ष के हिस्से केवल 126 मत आए, जबकि गणना कम-से कम 140 की थी। जाहिर है, यह अविास प्रस्ताव भाजपा से ज्यादा चिंता का कारण कांग्रेस के लिए होना चाहिए। राहुल की कसौटी पर देखें तो वे पहले से थोड़ा ज्यादा आक्रामक थे। किंतु ऐसी कोई बात नहीं कही जो पहले नहीं बोला गया हो। संसद में आरोपों के साथ तय अपरिहार्य है। ऐसा न होने पर विशेषाधिकार हनन का मामला बन जाता है। उन्होंने राफेल लड़ाकू विमान खरीद पर एक विशेष उद्योगपति के हक में सौदा करने और देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति से अपनी कथित बातचीत का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसा कोई गोपनीय समझौता नहीं है, जिसकी बात रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण कर रहीं हैं। रक्षा मंत्री ने 25 जून 2008 के समझौते के कागजात रख दिए, जिस पर यूपीए सरकार में रक्षा मंत्री एके एंटनी के हस्ताक्षर थे। क्या राहुल का पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से भी संवाद नहीं होता, जिससे उनको सही जानकारी मिल सके? फ्रांस का भी स्पष्टीकरण आ गया। राहुल से ज्यादा तयात्मक एवं तार्किक भाषण तो माकपा के मो. सलीम का था। हालांकि अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि क्या जिस संवेदनशील और वर्गीकृत सूचना को सार्वजनिक न करने की बात समझौते में है, उसमें उसका मूल्य शामिल है या नहीं। किंतु जब मोदी ने कहा कि सबसे ज्यादा समय पर शासन करने वाली पार्टी देश की सुरक्षा के मामले पर ऐसी बचकाना हरकत करेगी तो कांग्रेस के खेमे में पूरी खामोशी थी। इसी तरह डोकलाम पर भी राहुल ने बिना किसी तय के आरोप लगाए। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह अपने करीब डेढ़ घंटे के जवाब में तयों के साथ पूर्व कांग्रेस सरकारों को कठघरे में खड़ा किया, उसका असर लोगों पर ज्यादा हुआ। उन्होंने और भी तयों के साथ कांग्रेस को घेरा। कहने का तात्पर्य यह कि जहां राहुल के भाषण में कोई नई बात नहीं थी, वहीं मोदी के भाषण में भी पुरानी बातें थीं, पर काफी तय नये थे और उन्होंने हमले का जवाब प्रतिहमले से देते समय जिस तरह व्यंग्य, इतिहास, नेहरू परिवार के राजनीतिक आचरण, विपक्षी नेताओं के साथ किए गए छल आदि को रखा, उससे ऐसा लगा मानो उनके लिए अविास प्रस्ताव मुंहमांगा वरदान जैसा हो। राहुल गांधी के गले मिलने और यह कहने कि आप हमसे नफरत करिए हम आपसे नफरत नहीं करने को उनकी उदारता का प्रमाण बताकर प्रचारित किया जा रहा है वो भी एकपक्षीय सच है। राहुल ने कहा था कि नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा अध्यक्ष सत्ता जाना सहन नहीं कर सकते, क्योंकि इसके बाद उनके खिलाफ कुछ और प्रक्रियाएं शुरू हो जाएंगी। यानी इनके खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू होगी।

एक ओर आप धमकी दें और दूसरी ओर कहें कि हमारे दिलों में आपके लिए प्रेम है..इसका क्या मतलब है? आंख मारकर राहुल ने जता दिया कि विपक्ष के नेता के नाते उनमें जितनी परिपक्वता होनी चाहिए उसमें कमी है। मोदी ने जिस तरह इसका वर्णन किया वह मौका स्वयं राहुल ने ही उन्हें प्रदान किया। तो कुल मिलाकर राहुल खुद को साबित करने के सबसे बड़े अवसर से चूक गए और मोदी ने इसका भरपूर और प्रभावी इस्तेमाल किया।

चलते चलते

कंपनियों की तरह संपन्न वर्ग भी सामाजिक उत्तरदायित्व ले

देश की दिग्गज दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल समूह ने पारिवारिक संपत्ति का 10 प्रति शत हिस्सा धर्मारर्थं कार्य के लिए देने का निर्णय लिया है। कुछ दिन पहले ही इन्फोसिस के सह संस्था पक नंदन नीलेकणि ने बिल गेट्स के गिविंग प्लेज नेटवर्क से जुड़ने की घोषणा की थी। इससे जुड़ने वाले को अपनी आधी या उससे अधिक संपत्ति जनसेवा कार्यों में लगानी होती है। इस प्लेज नेटवर्क से जुड़कर अजीम प्रेम जी भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे है। जाहिर है कंपनि यां अपने प्रचार-प्रसार पर इतने पैसे खर्च करती है, उसका कुछ हिस्सा यदि सामाजिक कार्यों में लगाएं तो उनके साथ समाज को भी फायदा होता है। जब कोई कंपनी जनता के कल्या ण के लिए प्रत्यक्ष रूप से कुछ कार्य करती है तो

कुछ दिन पहले ही इन्फोसिस के सह संस्था पक नंदन नीलेकणि ने बिल गेट्स के गिविंग प्लेज नेटवर्क से जुड़ने की घोषणा की थी। इससे जुड़ने वाले को अपनी आधी या उससे अधिक संपत्ति जनसेवा कार्यों में लगानी होती है। इस प्लेज नेटवर्क से जुड़कर अजीम प्रेम जी भी शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम कर रहे है। जाहिर है।

इससे उस कंपनी के प्रति लोगों में सद्भाव का प्रसार होता है और आमजन के साथ उसमें काम करने वाले सभी स्तर के कर्मचारियों का भी उस पर विश्वास बढ़ता है। इससे कंपनी की उत्पादकता बढ़ती है। उस कंपनी की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने से लोग उसमें अपना नि वेश करना पसंद करते हैं। 2013 के कंपनी कानून के अनुसार एक निश्चित सीमा से अधिक टर्नओवर प्राप्त करने वाली कंपनियों के लिए कुल आय का 2 प्रतिशत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए खर्च करना अनिवार्य कर दिया गया है। बहरहाल, 5 करोड़ रुपए मुनाफे, 5 अरब रुपए पूंजी अथवा 10 अरब रुपए के टर्नओवर वाली कंपनि यां ही इससे प्रभावित हैं।

इसके दायरे को विस्ता रित करने की आवश्यकता महसूस हो रही है क्योंकि, इसके कारण आमजनों, खासकर वंचि त तबके को कई फायदें होते है जैसे शिक्षा के क्षेत्र में कई औपचारिक या अनौपचारिक प्रयास, पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाएं, महिला सशक्तिकरण के प्रयास आदि। सिर्फ कंपनियां ही नहीं बल्कि संपन्न वर्गों को भी सदि यों से शोषित, पिछड़े, असहाय वर्गों की उन्नति में सहायता प्रदान करनी चाहिए और उनके उत्था न के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। ताकि देश को महानता के शिखर पर पहुंचाया जा सके।

फोटोग्राफी...

कित्ने सारे हेमिंग्वे...

रनिंग ऑफ द बुल्स...

अमेरिकी प्रांत फ्लोरिडा के शहर की वेस्ट में रनिंग ऑफद बुल्स फेस्टिवल में लकड़ी के सांड की सवारी करते लेखक अर्नस्ट हेमिंग्वे के हमशक्ल। स्पेन के पैंपलोना फेस्ट की तर्ज पर होने वाले इस उत्सव में हर साल बुल रन भी होती है। यह उत्सव अर्नस्ट हेमिंग्वे डेज फेस्ट के दौरान मनाते हैं। अर्नस्ट हेमिंग्वे 30 के दशक में की वेस्ट शहर में रहे थे। इस साल उनका 119वां जन्मदिन मनाया गया।

कृषि लागत और मूल्य आयोग

सरकार ने कृषि लागत और मूल्य आयोग की अनुशंसा के आलोक में नये पेराई सत्र 2018-19 के लिए गन्ना मूल्य में 20 रुपया क्विंटल की बढ़ोतरी का फैसला किया है। नये सत्र में अब उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 275 रुपया क्विंटल होगा। यह बढ़ोतरी 10 फीसद रिकवरी पर ही देय होगा। जिस चीनी मिल की रिकवरी 10 फीसद से कम होगी, वहां के गन्ना किसानों को 275 क्विंटल से कम ही गन्ना मूल्य का भुगतान होगा। अभी तक 95 फीसद रिकवरी पर ही केंद्र सरकार गन्ना मूल्य तय करती रही है। गत वर्ष सरकार द्वारा एफआरपी में 25 Rsक्विंटल की वृद्धि की गई थी। इस वर्ष 5 रुपये की कमी कर दी गई है। यानि मौजूदा एफआरपी पर मात्र 8 फीसद की बढ़ोतरी की गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि एनडीए सरकार के प्रथम वर्ष में एफआरपी में 10 रुपये की वृद्धि की गई, दूसरे वर्ष में कोई वृद्धि नहीं हुई, तीसरे वर्ष मे 25 Rs और चौथे वर्ष में घटाकर 20 Rs की वृद्धि की गई। इससे पूर्व यूपीए सरकार में एफआरपी में 10, 25, 6 और 40 रुपये की वृद्धि की गई थी। यूपीए सरकार ने चुनावी वर्ष 2013-14 में 40 Rs क्विंटल की वृद्धि की थी, जो एनडीए के सभी वृद्धि से अधिक रहा। वैसे यूपी, बिहार, पंजाब और हरियाणा की सरकार केंद्र सरकार के उचित और लाभकारी मूल्य के अलावा राज्य परामर्शी मूल्य तय करती है, जिससे गन्ना मूल्य में थोड़ी वृद्धि अवश्य हो जाती है परन्तु राज्य सरकारें भी लागत की अनदेखी करते हुए परम्परा के निर्वहन के लिए या तुष्टीकरण के लिए गन्ना मूल्य में मामूली वृद्धि करती है। आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात इत्यादि राज्यों में एफआरपी मूल्य पर ही गन्ना मूल्य का भुगतान करती है। सवाल है कि गन्ना के उत्पादन लागत का क्या होगा ? गन्ना किसान कब तक घाटे की खेती करते रहेंगे? इस संबंध में न तो पूर्व की सरकारें गंभीर थी न ही मौजूदा सरकार ही गंभीर है। बिहार में किसान संगठनों ने 2017-18 सत्र में गन्ना खेती के लागत का जमीनी आंकड़ा तैयार कर सरकार को भेजा था, जिसमें खेतों की जुताई, तैयारी, बीज, उर्वरक, कीटनाशक, बीज की कटाई-ढुलाई, निकौनी, सिंचाई, मिट्टी चढ़ाई, बंधाई रखवाली, तैयार गन्ना की कटाई-ढुलाई, इसमें लगे कुल पूंजी और उसका ब्याज जोड़कर यानी ए2 और एफएल जोड़कर गन्ने की उत्पादन लागत 81641 Rs यानी प्रति क्विंटल लागत 326 Rs पाया है, जबकि जमीन की कीमत पर ब्याज को जोड़ने पर प्रति एकड़ गन्ने का उत्पादन लागत सी2 फार्मूले से 151641 Rsऔर गन्ना का अनुमानित उत्पादन 250 क्विंटल एकड़ से प्रति क्विंटल गन्ना का उत्पादन लागत 606Rs क्विंटल पाया है। कमोबेश यही स्थिति देश के अन्य प्रांतों की भी है। उचित और लाभकारी मूल्य और राज्य सरकार के परामर्शी मूल्य तय होने के बावजूद किसानों को लागत का आधा मूल्य भी नहीं मिल रहा है। विगत 2017-18 में केवल डीजल के मूल्य में करीब 12 रुपये लीटर की वृद्धि से गन्ना खेती की जुताई, सिंचाई, ढुलाई की दरों में काफी वृद्धि हो गई है। सरकार को गन्ना खेती के समग्र लागत पर लाभकारी मूल्य दिलाने के लिए कारगर पहल करने के साथ समय से गन्ना मूल्य का भुगतान सुनिश्चित कराना आवश्यक है। समय से भुगतान के लिए उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों ने प्रधानमंत्री को सुझाव भेजे हैं, जिसमें भुगतान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक गन्ना कोष बनाने, गन्ना खेती के समग्र लागत पर ड्योढा मूल्य देने, पेट्रोल में 25 फीसद इथेनॉल मिलाने, किसानों को भी ब्याजमुक्त ऋण देने के प्रयास की आवश्यकता बताई है।

संक्षिप्त

शिकायत पर शिक्षक को जान से मारने की धमकी

अंबेडकरनगर, समाधान दिवस पर प्रार्थनापत्र देना शिक्षक को भारी पड़ गया। आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। भुक्तभोगी ने मामले में दो लोगों के विरुद्ध नामजद तहरीर दी है। मामला अहिरौली थाना क्षेत्र के गांव यरकी के मजरे डड़वा का है। उक्त गांव निवासी घनश्याम वर्मा कटेहरी शिक्षा क्षेत्र के परिषदीय विद्यालय में शिक्षक हैं। गांव में एक भूखंड को लेकर विवाद है। अहिरौली थाने पर आयोजित समाधान दिवस में उक्तभूखंड की पैमाइश व निशानदेही कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। इसकी भनक विपक्षियों को लगी तो वे आग बबूला हो गए। थाने से जब वह अपराह्न घर पहुंचे तो विपक्षी ने अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के एक युवक के साथ उनके घर पहुंचकर उक्त भूखंड को भूल जाने की चेतावनी दी। अंन्यथा की स्थिति में हत्या कर देने की धमकी देते हुए दोनों चले गए। इससे भुक्तभोगी व उसका परिवार सहमा हुआ है। भुक्तभोगी के मुताबिक आरोपी गांव में घूम कर उसे धमकी दे रहे हैं। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पालीथिन फेंकने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

गोंडा, क्षेत्र के बहुअन मदार मांझा गांव में पालीथिन फेंकने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर अनुसूचित जाति अधिनियम व दूसरे पक्ष की तहरीर पर एनसीआर के तहत मुकदमा दर्ज किया है। बहुअन मदार मांझा के कन्नीपुरवा गांव निवासी राजाराम ने थाने पर तहरीर देकर कहा कि उसकी मां खेत से पालीथिन बीन करके सड़क पर फेंक रही थी। इसी को लेकर गांव के कुछ लोग उनकी लाठी-डंडे से पिटाई करने लगे। बचाने दौड़े पिता को भी मारा, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर गांव के तीन लोगों के विरुद्ध अनसूचित जाति अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

भाई ने डांटा तो किशोरी ने फंदा लगाकर दे दी जान

देवरिया, सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव में एक किशोरी ने भाई के डांटने पर फंदा लगा लिया, परिजन उसे फंदा से उतार कर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर परिवार के सदस्य किशोरी का शव लेकर गांव चले गए। बताया जा रहा है कि किशोरी फोन पर किसी से बात कर रही थी, भाई ने फोन काट कर कार्य करने की बात कही, लेकिन किशोरी भाई की बात नहीं मानी और छत पर जाकर पुनः मोबाइल से बात करने में जुट गई। यह बात भाई को खराब लगी और उसने बहन को पकड़ कर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद किशोरी घर की सफाई की और अपने कमरे में जाकर अंदर से फाटक बंद कर फंदा लगा ली। इसकी भनक परिवार के सदस्यों को लगी तो उसे फंदा से नीचे उतार कर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

तहसील परिसर हुआ पानी-पानी

मुहम्मदाबाद गोहना (मऊ), कल सुबह रुक-रुक झमाझम हुई पहली ही बारिश से स्थानीय तहसील परिसर पूरी तरह से जलमग्न हो गया। तहसील परिसर में जाम पानी के कारण दूर-दूर से आए वादकारियों को उठानी पड़ी जहमत। अधिवक्ताओं और वादकारियों इस पानी में घुस कर कार्यालयों तक जाना पड़ा। तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी एवं पुलिस उपाधीक्षक का कार्यालय बना हुआ है। इन दोनों कार्यालयों पर जाने के लिए शिकायतकर्ताओं को मजबूरी में जाम पड़े इस पानी में होकर आना और जाना पड़ा। सुबह बारिश बंद होने के बाद जब तहसील में कार्यरत अधिवक्ता एवं लेखपाल, कानूनगो, कर्मचारी तथा अधिकारी जब तहसील गेट पर पहुंचे तो देखा कि पूरे तहसील परिसर में लबालब पानी भरा हुआ था। लोग इधर से उधर आने और जाने में कतरा रहे थे तहसील परिसर में जाम पड़े थे। इस कारण कार्य कुछ हद तक ठप रहा।

सिलेंडर में लगी आग से महिला झुलसी

थानागद्दी(जौनपुर), चंदवक थाना क्षेत्र के जमुआ गांव में कल सुबह खाना बनाते समय लीक हो रहे सिलेंडर से घर में आग लग गई। इससे महिला का हाथ झुलस गया। इलाज के लिए उसे अस्पताल में दाखिल कराया गया है। ग्रामीणों ने भारी मशक्कत कर किसी तरह आग पर काबू पाया। कल सुबह वंदना सिंह किचन में चाय बनाने पहुंची थी। लाइटर जलाते ही लीक हो रहे सिलेंडर से घर में आग लग गई। आग बुझाने के प्रयास में वंदना का हाथ झुलस गया। आग से घर में रखा सामान भी जल गया। लपटों के बीच ग्रामीणों ने भारी मशक्कत कर किसी तरह आग पर काबू पाया। महिला के पति विजय प्रधान हैं। बताया कि आग की वजह से लाखों का नुकसान हुआ है।

युवक की मौत

नारायणपुर (मिर्जापुर), अदलहाट थाना क्षेत्र के वाराणसी-मिर्जापुर मार्ग पर नारायणपुर गंगा नहर पुल के पास कल ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल शव को अदलहाट थाने ले गई। घटना की जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे परिजन व ग्रामीण शव ले जाने के विरोध में पुलिस चौकी के सामने सड़क जाम कर दिया। सड़क पर जाम लगने से दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई। एक घंटे बाद पहुंचे अदलहाट थानाध्यक्ष ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम को समाप्त कराया। नारायणपुर चौकी क्षेत्र के जमालपुर गांव निवासी अमित सिंह (२०) दोपहर में बाइक से नारायणपुर बाजार सामान की खरीदारी करने के लिए निकला था। वह नारायणपुर गंगा नहर पुल के पास पहुंचा था कि इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार आ रही ट्रक ने उसे धक्का मार दिया। जिससे वह ट्रक के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक ट्रक को लेकर फरार हो गया।

पोल खोल अभियान चलाएगा रालोद

गोंडा, राष्ट्रीय लोक दल के पदाधिकारियों ने गांधी पार्क में बैठक किया। जिसमें बढ़ी बिजली दरों को वापस कराने को लेकर आंदोलन की रणनीति बनाई गई। साथ ही पांच अगस्त को धानेपुर बाजार में पोल खोल अभियान चलाने की रणनीति बनीं। जिलाध्यक्ष सिद्धदेव सिंह ने कहा कि बिजली दरों को बढ़ाकर गरीबों की जेब काटी जा रही है।

ओमप्रकाश राजभर को गिनाई गई गोपीगंज नगर की समस्याएं

गोपीगंज (भदोही), जौनपुर से वाराणसी जाते समय नगर पालिकाध्यक्ष के प्रह्लाददास गुप्त के गोपीगंज स्थित आवास पर कल देर रात रुके पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, सशक्तीकरण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर का लोगों ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया। वहीं पालिकाध्यक्ष ने उन्हें नगर में व्याप्त समस्याओं संबंधी पत्रक सौंपा व निराकरण कराने की मांग की। प्रभारी मंत्री ने समस्याओं के हरसंभव निस्तारण का भरोसा दिलाया। सौंपे गए पत्रक में पालिकाध्यक्ष ने अवगत कराया कि इलाहाबाद -वाराणसी के मध्य राजमार्ग पर स्थित गोपीगंज एक प्रमुख व्यवसायिक नगर है। जहां वाहनों का अधिक दबाव रहने से आए दिन सड़क दुर्घटनाएं बड़े पैमाने पर होती रहती हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्थापित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में अभी तक पूर्णतया चिकित्सकों का अभाव बना हुआ है। इससे न केवल सड़क हादसों में घायलों का सही ढंग से न तो उपचार हो पाता है और न ही सुविधाएं मिल पाती हैं। मामूली रुप से जख्मी को भी अन्यत्र रेफर करना पड़ता है। वहीं नगर में अघोषित विद्युत कटौती की समस्या से अवगत कराते हुए बताया कि 2003 से लेकर 2016 तक पालिका की विद्युत व्यवस्था अर्बन फीडर ग्रेड में थी। जबकि सितंबर 2016 से इसे ग्रामीण फीडर में परिवर्तित कर दिया गया। इससे नगर की विद्युत आपूर्ति आए दिन बाधित रहती है। जबकि नगरवासी आज भी बिल का भुगतान एचबी-2 मानक का करते आ रहे हैं। प्रभारी मंत्री ने शीघ्र ही संबंधित मंत्रालयों से मंत्रणा कर निराकरण का आश्वासन दिया। कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार हर वर्ग के लिए कार्य कर रही है। बिना भेदभाव के सभी का विकास किया जा रहा है। सरकारी सुविधाओं और योजनाओं का लाभ ईमानदारी से पात्रों को मिल रहा है। इस मौके पर बृजेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, संजय गुप्ता, ज्ञानेश्वर अग्रवाल, अनूप जायसवाल, आनंद मोदनवाल समेत अन्य उपस्थित रहे।

बेटी-बहुओं ने दिया मां की अर्थी को कंधा, शवयात्रा में शामिल हुईं महिलाएं

वाराणसी, परंपराएं टूटने का हवाला देकर भावनाओं को थामने वालों के लिए रविवार का दिन काफी जुदा था। यहां मां की अपेक्षा थी तो बेटी की भी जिद मां की अर्थी को कंधा देने का था। सामाजिकता की दुहाई जमाने वाले लाख देते रहे मगर महिलाएं टस से मस नहीं हुई। बेटियों की जिद में बहुओं का भी साथ मिला तो अर्थी को कंधा बेटियों और बहुओं ने मिल कर दिया और शवयात्रा में साथ मिला गांव की उस आधी आबादी का जिसे शवयात्रा में जाने की इजाजत नहीं होती थी। मामला चिरईगांव ब्लाक के बरियासनपुर गांव का है जहां रविवार को (९५) संतोरा देवी का निधन हो गया। उनकी इकलौती बेटी पुष्पावती पटेल ने मां की अर्थी को न सिर्फ कंधा देने का निर्णय लिया, बल्कि बहुओं व पड़ोसी महिलाओं ने शवयात्रा भी निकाली। मृतका के दो पुत्र मौके पर ही उपस्थित थे, सामाजिक मर्यादा की दुहाई देते हुए समझाने का प्रयास किया लेकिन बेटी की जिद के आगे लोगों की एक भी नहीं चली। शव यात्रा बरियासनपुर से निकलकर एक किलोमीटर आगे चिरईगांव विकास खंड मुख्यालय तक गई और सरायमोहाना घाट पर अंतिम संस्कार हुआ। सालों पहले मृतका के पति के निधन के वक्त संतोरा ने नेत्रदान का संकल्प लिया था, यह भी कहा था कि मरने के बाद उसकी अर्थी को कंधा इकलौती बेटी ही देगी, ताकि समाज का यह मिथक टूटे कि बेटा ही अर्थी को कंधा दे सकता है। मरणोपरात बुजुर्ग महिला ने नेत्रदान कर अपना संकल्प पूरा किया। शवयात्रा में महिला की तीनों बहुएं प्रभावती, अमरावती, कलावती के साथ ही गांव की शशिदेवी, आरती, इंदु व कुसुम समेत दर्जनों महिलाओं के साथ ही ग्राम प्रधान देवराज पटेल, वालकिशुन, सुशील, चंद्र बली, सुभाष आदि शामिल रहे।

नकली नोटों के धंधे में लिप्त ३ गिरफ्तार

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर), थाना पुलिस ने नकली नोट के धंधे में लिप्त ३ युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो सौ की ११३ जाली नोटें बरामद हुई हैं।

मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपितों का चालान कर दिया। पुलिस अधीक्षक दिनेश पाल सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह हमराहियों के साथ इटहरा बार्डर पर संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नगर के गजराजगंज तिराहे पर कुछ लोग नकली नोट चला रहे हैं। वह सहयोगियों के साथ तुरंत वहां पहुंचे। पुलिस को देखते ही नकली नोटों के धंधे में लिप्त तीन युवक भागने लगे। पुलिस ने दौड़ाकर तीनों को धर दबोचा। तलाशी में लालजी सरोज निवासी पहाड़पुर थाना कोतवाली मछलीशहर के पास २००-२०० के ५४, सियाराम बिंद निवासी मादरडीह थाना मुंगरा बादशाहपुर के पास ४३ व मनोज कुमार मिश्र निवासी चमरुपुर नंदौत थाना फूलपुर, जिला इलाहाबाद के पास १६ नोट बरामद हुए। बरामद कुल ११३ नकली नोट की कीमत २२६०० है। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे पश्चिम बंगाल से कम पैसे में नकली नोट लाकर असली के रूप में चलाने का कारोबार करते हैं। पुलिस ने तीनों आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर चालान कर दिया।

स्कार्पियो के धक्के से साला-बहनोई घायल

सिकन्दरपुर(बलिया), नगरा मार्ग पर भाटी चट्टी के समीप स्कार्पियो के धक्के से साला व बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों लोगों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना क्षेत्र के चड़वा बरवां निवासी ननहुल गांव का सफाईकर्मी रामशंकर राम (३५) व उनका साला जितेंद्र राम (२१) निवासी उससा थाना पकड़ी बाइक से गांव से सिकन्दरपुर आ रहे थे।

शव पहुंचते ही गांव में मचा कोहराम

बस्ती, कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुधौरा पेट्रोल पंप के पास मार्ग दुर्घटना में मारे गए निखिल पांडेय के गांव में परशुरामपुर थाना क्षेत्र के सुकरौली पांडेय में मातम छाया हुआ है। पोस्टमार्टम के बाद निखिल का शव जब गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। भोर में ही चीख चीत्कार की गूंज होने लगी। माता शीला देवी और पिता अतुल पांडेय को बेटे की मौत पर यकीन नहीं हो रहा था। कभी शून्य में निहार रहे थे, तो कभी दहाड़ मारकर रोते रहे। परिवार में बाबा कैलाश नाथ शास्त्री एवं अन्य सदस्यों का हाल भी बुरा रहा। लोग निखिल के लिए माथा पीट रहे थे। विपत्ति की इस घड़ी में जो भी पहुंचा उसकी आंखें नम हो गईं। (१५)निखिल अपने बड़े भाई नितिन पांडेय (२०) तथा जगदीशपुर बाजार निवासी करम हुसैन पुत्र शब्बीर के साथ अपनी कार से बस्ती गया था। लौटते समय कप्तानगंज थाना क्षेत्र के दुधौरा पेट्रोल पंप के पास कार अनियंत्रित होकर रोड पर पलट गई। निखिल की मौके पर ही मौत हो गई। चालक करम हुसैन और भाई नितिन गंभीर रूप से घायल हो गए।

१५ अगस्त तक मऊ से लखनऊ के लिए चलने जा रही नई ट्रेन-मनोज सिन्हा

गाजीपुर, रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा ने कल यहां एक नई ट्रेन चलाने की घोषणा की। यह ट्रेन क्षेत्र को यूपी की राजधानी लखनऊ से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी। गाजीपुर के अफीम फैक्ट्री के सामने बने क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने जिले को रेल की सौगात दी। उन्होंने 15 अगस्त तक मऊ से भी लखनऊ के लिए एक एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की घोषणा की। मनोज सिन्हा ने बताया कि यह ट्रेन दुल्लहपुर, सादात, जखनिया, औड़िहार होते हुए या फिर औड़िहार से सादात, जखनियां, मऊ, शाहगंज होते हुए लखनऊ जाएगी। जिस रूट पर संचालन आसान होगा, उस पर इस ट्रेन को चलाया जाएगा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण के साथ ही सिटी रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर बने 40 मीटर लंबे वाशिंग लाइन के भी शिलापट्ट का रिमोट से अनावरण कर उसका शुभारंभ किया। रेल राज्य मंत्री ने बताया कि 2002 में रेलवे के नये जोन बने। यहां के रेल कर्मियों का प्रशिक्षण मुजफ्फरपुर में होता था। इससे उन्हें काफी परेशानी होती थी। रेलवे का बड़ा भू-भाग पूर्वोत्तर रेलवे में आता है, जिसे देखते हुए मई-2015 में इस प्रशिक्षण केंद्र की आधारशिला रखी गई ताकि यहां रेलकर्मियों को समुचित प्रशिक्षण दिया जा सके। इससे पहले सिन्हा ने कल गाजीपुर में अफीम फैक्ट्री के सामने बने जोनल प्रशिक्षण केंद्र व सिटी स्टेशन पर बने वाशिंग पिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने 15 अगस्त तक मऊ से या औड़िहार से लखनऊ तक एक और नई एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की बात कही। साथ ही स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए बलिया-बनारस मेमू का फेरा बढ़ाने का भी एलान किया। उन्होंने बताया कि वाशिंग पिट व जोनल प्रशिक्षण केंद्र बनने के बाद गाजीपुर देश का 13 वां ऐसा जिला बन गया है जहां यह सभी सुविधाएं मौजूद हैं।

वृद्धा की हत्या का राजफाश, एक गिरफ्तार

प्रतापगढ़, नगर कोतवाली क्षेत्र के भंगवा गांव में महीने भर पहले हुई वृद्ध महिला की हत्या का राजफाश करते हुए पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। दूसरे आरोपित को पुलिस तलाश रही है। भंगवा गांव निवासी प्रेमा देवी (६५) की १९ जून को गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने घटना के बाद हिस्ट्रीशीटर समेत आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लिया था। हालांकि पूछताछ में उनसे कोई क्लू नहीं मिला। ग्रामीणों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि घटना के बाद गांव के एक युवक की टीशर्ट पर खून का छींटा दिखा था। वह पहले भी हत्या में जेल भेजा चुका है। वह नशे का आदी है। घटना के बाद वह लखनऊ भाग गया था। महीने भर से पुलिस उसी की तलाश कर रही थी। इस बीच भंगवा गांव के पास कल भोर में कोतवाल अभय सिंह, चुंगी चौकी प्रभारी डीएन यादव ने संदिग्ध रहे प्रमोद तिवारी पुत्र पारसनाथ तिवारी निवासी भंगवा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसके साथी आशीष शबलू पुत्र शिरोमन निवासी भंगवा की तलाश कर रही है। उसके खिलाफ पहले भी हत्या, गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज है। एसपी देवरंजन वर्मा ने बताया कि हत्या की घटना का पर्दाफाश करके आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। इस कामयाबी पर पुलिस टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

एसपी ने चौकी के जीर्णोद्धार भवन का किया उद्घाटन

बलिया, पुलिस अधीक्षक श्रीपर्णा गांगुली ने सदर कोतवाली क्षेत्र के सिविल लाइन चौकी पर जीर्णोद्धार भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जवानों को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की नसीहत दी। कहा कि स्वच्छता पर हर किसी को ध्यान देना होगा। इससे अपने आप को सुकून मिलता है। जनता के सहयोग से जर्जर चौकी के भवन का जीर्णोद्धार कराया गया।

पत्नी की हत्या कर पति फरार

संतकबीर नगर, धर्मसिंहवां थाना क्षेत्र के हकीमराई गांव के एक युवक ने अपनी पत्नी को हथौड़े से पीट-पीट कर मार डाला। हत्या के बाद वह घर से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मायकेवालों की तहरीर पर पुलिस ने पति, सास, ससुर व ननद आदि चार लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व हत्या का मुकदमा कायम कर लिया है, हिरासत में लिए गए सास-ससुर से पुलिस पूछताछ कर रही है। मुख्य अभियुक्त पति की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। बहरहाल इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। धर्मसिंहवां थानाक्षेत्र के हकीमराई गांव के निवासी (२८) अमजद खान पुत्र हजरत अली ने सुबह अपनी (२५) पत्नी शरीफुन्निशां को कमरे में बंद करके हथौड़े से पीट-पीट कर मार डाला। हत्या करने के बाद वह इस कमरे को बंद करके मोटर साइकिल लेकर फरार हो गया। घटना की जानकारी होने पर मायके वालों ने इसकी सूचना धर्मसिंहवां थाने पर दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतका की मां सजरुन्निशां निवासी थाना-खेसरहा, जनपद सिद्धार्थनगर ने पति, ससुर व सास के खिलाफ बेटी को प्रताड़ित करने व मारने-पीटने, हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी।

फिरोजपुर मख्दूमी में सांप्रदायिक तनाव

रुदौली (फैजाबाद), दर्ज मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने का प्रकरण तूल पकड़ रहा है। फिरोजपुर मख्दूमी के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि की दबंगई से गांव में सांप्रदायिक तनाव फैल गया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सहित तीन अन्य पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। गांव में शांति व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस बल तैनात किया गया है। महिला आरोप था कि प्रधान प्रतिनिधि हसीब खां चुन्नो ने बाबूलाल व केशवराम, मातादीन, जियावन के साथ रात दो बजे घर पर धावा बोल दिया। प्रधानपति अपनी बंदूक लेकर आए थे। दबंगों ने उसे व उसके पुत्र की जमकर पिटाई कर दी है। उसका कहना है कि छेड़खानी के मामले में प्रधानपति को जेल भी जाना पड़ा था। यह मुकदमा वापस लेने का प्रधान पति लगातार दबाब बना रहे हैं। शुक्रवार को पुनः मुकदमा दर्ज होने से शनिवार की रात फिर प्रधान पति ने समर्थकों के साथ घर घेर लिया। प्रभारी निरीक्षक विश्वनाथ प्रसाद यादव ने बताया कि सांप्रदायिक तनाव नहीं है। शांति व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। मुकदमा दर्ज हो गया है। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

घरों में दौड़ा हाईवोल्टेज करंट, महिला की मौत

मिर्जापुर, स्थानीय थाना क्षेत्र के पैडापुर चौकी अंतर्गत अकसौली गांव के पश्चिम पूरा में सुबह में हाईवोल्टेज लाइन टूट कर गिर जाने से पूरे पश्चिम मोहल्ले के घरों में करंट उतर गया। करंट की चपेट में आने से एक महिला समेत तीन पशुओं की भी झुलसने से मौत हो गई। वहीं इस दौरान ट्रासफार्मर भी धू-धू कर जल गए। इससे दर्जनभर घरों के विद्युत उपकरण भी जल गए। कल भोर में अक्सौली गांव के पश्चिम का पूरा मोहल्ले में तेज बारिश के कारण ११,००० वोल्टेज का तार टूटकर ४४० वोल्ट के तार पर गिर गया जिससे पूरे गांव के घरों में करंट दौड़ने लगा। जिसकी चपेट में आने से निशा देवी (३०) पत्नी आशीष दुबे आ गई। वह चारपाई से नीचे उतर कर लाइट को कट करने के लिए जा रही थी कि करंट की चपेट में आ गई जिससे उसकी मृत्यु हो गई। इसके साथ-साथ फूलचंद गौतम पुत्र बद्री के दो बैल ट्रासफार्मर के पास बंधे थे। उनकी भी करंट की चपेट में आने से मौत हो गई इसकी सूचना फूलचंद ने १०० न. को दी। मौके पर पहुंचकर बिजली विभाग को सूचित किया। मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के लोगों ने बिजली को काटकर सही कराया। परिजन निशा देवी को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए। परंतु वहा डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया निशा देवी को तीन पुत्रिया हैं। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी और पूरा गांव सदमे में है। मौके पर पहुंचे पड़री एसएसआई श्रीराम सिंह यादव ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूपी सरकार का तोहफाः बुनकरों की बेटी की शादी को मिलेगा ३० हजार अनुदान

गोरखपुर, गरीब हथकरघा बुनकरों के लिए खुशखबरी है। वह इसलिए कि सूबे के जिलों में पहली बार हथकरघा विभाग से गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले बुनकरों की बेटी की शादी के लिए अनुदान मिलेगा। इसके पूर्व इन्हें समाज कल्याण विभाग अथवा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के पास इसके लिए आवेदन करना पड़ता था। शासन की इस नई पहल से अब गरीब बुनकरों को इस लाभ के लिए इन विभागों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। बहरहाल सचिव उत्तर प्रदेश बुनकर बहबूदी फंड व हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग रमा रमण सभी परिक्षेत्रीय सहायक आयुक्त-हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग को इस आशय का पत्र जारी कर दिया है। उत्तर प्रदेश बुनकर बहबूदी फंड योजना के तहत हथकरघा बुनकरों की बेटियों के शादी के लिए अनुदान देने की नई पहल शुरु की गई है। गरीबी रेखा से नीचे(बीपीएल) जीवन-यापन करने वाले केवल हथकरघा बुनकरों को ही इस योजना का लाभ मिलेगा। ऐसे बुनकरों की बेटियों के शादी के लिए प्रति बेटी 30 हजार रुपए अनुदान मिलेगा। यह केवल दो बेटियों तक ही सीमित रहेगा। अनुदान की राशि सीधे गरीब बुनकर के बेटी के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

सर्विलांस की मदद से पकड़ा गया मोबाइल चोर

तेजीबाजार (जौनपुर), स्थानीय तेजीबाजार के बरचौली गांव से चार माह पूर्व हुए मोबाइल चोरी के आरोप में राहुल विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थाना महराजगंज क्षेत्र के बरचौली गांव निवासी दिवाकर तिवारी (एडवोकेट) के यहां लड़की की शादी बीते मार्च माह में थी। मोबाइल चार्जिंग में लगाकर शादी के कार्यों में व्यस्त हो गये।भीड़-भाड़ का माहौल का फायदा उठाते हुए उसी गांव का राहुल विश्वकर्मा पुत्र गजराज विश्वकर्मा ने मोबाइल पर हाथ साफ कर दिया । दिवाकर तिवारी (एडवोकेट)को जब पता चला कि उनका मोबाइल चोरी हो गया तो उन्होंने आनलाईन शिकायत दर्ज कराई। सर्विलांस की मदद से पता चला कि मोबाइल गांव में राहुल के पास ह। बुधवार की देर शाम चौकी इंचार्ज धनुषधारी पांडेय अपने सहकार्मियों के साथ बरचौली गांव पहुंचे और राहुल विश्वकर्मा को गिरफ्तार करके पुलिस चौकी तेजीबाजार ले आए। कड़ाई से हुई पूछताछ में राहुल ने मोबाइल चोरी करने की बात स्वीकार की । पुलिस ने मोबाइल बरामद कर राहुल विश्वकर्मा के ऊपर चोरी का मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। इस मामले में पूछे जाने पर चौकी इंचार्ज ने बताया कि यह मामला बीते ३ मार्च का है। शादी वाले घर से मोबाइल चोरी की गई थी। आनलाईन शिकायत दर्ज हुई थी। सर्विलांस की मदद से चोर पकड़ा गया। बृहस्पतिवार को आवश्यक कार्यवाही कर उसे जेल भेज दिया गया ।

पत्नी व दो बेटों की हत्या कर फार्मासिस्ट ने दी जान

कुशीनगर, पडरौना नगर के बावली चौक में कल रात को एक फार्मासिस्ट ने पत्नी व दो बेटों की हत्या कर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जाच-पड़ताल के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बावली चौक निवासी माधव मुरारी सिंह (४५) कप्तानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट था। कुशीनगर जिले के पडरौना कार्यालय के अनुसार वर्ष 2015 से पत्नी सुमन सिंह (४२) व उसके बीच विवाद चल रहा था। इससे जुड़ा, तलाक व खर्चा का, वाद भी न्यायालय में लंबित है। पत्नी दो बेटों व एक बेटी के साथ पति के ही मकान में अलग रह रही थी। रात दस बजे दोनों के बीच कहासुनी हुई। घटना के समय सुमन अपने दो बेटों विक्रम सिंह (८) व कुन्नू सिंह (४) के साथ कमरे में सो रही थी, जबकि बड़ी बेटी माधवी (१०) छत पर सो रही थी।

बदमाशों ने व्यवसायी से सरेराह डेढ़ लाख लूटे

सुल्तानपुर, रविवार सुबह पिता के साथ बाइक से रेलवे स्टेशन जा रहे किराना व्यवसायी को शहर के लखनऊनाका ओवर ब्रिज पर अपाची सवार तीन सशस्त्र बदमाशों ने ओवरटेक कर रोक लिया। जब तक पिता-पुत्र कुछ समझ पाते बदमाशों ने तमंचा तान दिया और करीब डेढ़ लाख रुपए लूट कर फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस घटना की तहकीकात में जुटी है। कोतवाली नगर क्षेत्र के महुवरिया निवासी आशीष कुमार पुत्र उमाशंकर की चौक इलाके में मोबाइल व किराना की दुकान है। रविवार सुबह खरीद-फरोख्त के सिलसिले में वे लखनऊ जाने के लिए घर से 1 लाख 45 हजार रुपए कैश लेकर निकले थे। उनके पिता उमाशंकर वरुणा एक्सप्रेस ट्रेन पर बैठाने के लिए उन्हें रेलवे स्टेशन छोड़ने जा रहे थे। गभड़िया चौकी से चंद कदमों की दूरी पर लखनऊनाका पुल पर पहुंचते ही बदमाशों ने उन्हें रोका और तमंचे के बल पर नकदी लूट ली। सरेराह वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों बदमाश बाइक मोड़कर अमहट की ओर भाग गए। घटना से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। क्षेत्राधिकारी नगर श्यामदेव बिंद, शहर कोतवाल श्याम सुंदर पांडेय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक लुटेरे दूर जा चुके थे। सीओ श्यामदेव का कहना है कि लुटेरों की धरपकड़ के लिए इलाके की घेराबंदी की गई है। लुटेरे बेहद शातिर हैं, उन्हें यह बात अच्छी तरह पता थी कि व्यवसायी हर सप्ताह नकदी लेकर खरीदारी करने लखनऊ जाते हैं। रविवार को वरुणा करीब आधे घंटे लेट थी। ऐसे में व्यवसायी की सटीक रेकी गई थी। जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शौचालय को खोदे गड्ढे में गिरा मासूम, मौत

दुद्धी (सोनभद्र), स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के मनबसा गांव में शौचालय निर्माण के लिए खोदे गये गड्ढे में गिरकर कल सुबह एक मासूम की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव में करीब दो माह पहले स्वच्छ भारत मिशन के तहत गड्ढा खोदवाया गया था। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। मनबसा गांव निवासी रामानंद गोंड़ का चार वर्षीय पुत्र आकाश घर के बाहर गांव के अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। खेलते-खेलते बच्चों की टोली दो माह पहले से शौचालय के लिए खोदे गये गड्ढे की ओर चली गई। परिजनों के मुताबिक गड्ढे के पास की जमीन गीली थी इस वजह से आकाश का पैर फिसला और वह गड्ढे में गिर गया। साथ में खेल रहे अन्य बच्चे चीखने-चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे तो देखा कि बच्चा गड्ढे में गिरा था। लोगों ने आनन-फानन उसे बाहर निकाला लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी। ग्रामीणों ने बताया कि गत दो दिनों से हो रही बारिश की वजह से गड्ढे में पानी भरा हुआ था।

सीसीटीवी कैमरे से होगी सरायमीर कस्बे की निगरानी

सरायमीर (आजमगढ़), जिले के अतिसंवेदनशील कस्बा सरायमीर की निगरानी अब सीसीटीवी कैमरे से की जाएगी। डीआईजी विजय भूषण ने थाना परिसर में स्थित नवीन कम्प्यूटर कक्ष व सीसीटीवी कैमरे के कंट्रोल रूम का फीता काटकर कल उद्घाटन किया। एसपी ने कस्बा के दुकानदारों से भी अपने प्रतिष्ठानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का अनुरोध किया। बता दें कि बीते माह सरायमीर कस्बा में उपद्रवियों ने जमकर बवाल किया था। थाना परिसर में घुसकर जहां तोड़फोड़ की वहीं पुलिस बूथ में भी आगजनी की थी। इस घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील कस्बा में सीसीटीवी कैमरे लगाने का फैसला लिया था। एसपी रवि शंकर छबि के पहल पर क्षेत्र के लोगों के जनसहयोग से सरायमीर कस्बा में आजमगढ़-लखनऊ मुख्य मार्ग पर तीन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। जबकि दो कैमरा थाना परिसर के बाहर मुख्य रोड पर व एक कैमरा थाना परिसर के अंदर गतिविधियों पर नजर रखने के लिए लगाए गए हैं। कस्बा में लगे सीसीटीवी कैमरे का कंट्रोल रूम सरायमीर थाना के नवीन कंप्यूटर कक्ष में बनाया गया है। कल दोपहर को डीआईजी ने सरायमीर थाने पर पहुंच कर नवीन कंप्यूटर कक्ष व सीसीटीवी कैमरे के कंट्रोल रूम का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर डीआईजी ने कहा कि कैमरा लग जाने के बाद सरायमीर क्षेत्र की हर गतिविधियों पर अब पुलिस की नजर रहेगी। जिससे अपराधिक घटनाओं में भी कमी आएगी।

महिला की मौत

अमेठी, थानाक्षेत्र के पाली गांव में कल शाम एक महिला का शव घर में संदिग्ध परिस्थितियों में छत की कुंडी से लटकता हुआ पाया गया। पति की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव निवासी गुड्डू मौर्या की प्तनी रामावती (५०) और उसकी बहू घर में थीं। उसका पति गुड्डू बाजार शुकुलबाजार गया था। उसका छोटा पुत्र सुशील भी किसी काम से घर से बाहर था। जब उसका पति सामान लेकर घर पहुंचा तो देखा कि उसकी पत्नी रामावती ने घर के कमरे की छत में लगी कुंडी से फांसी लगा ली थी। आनन-फानन में पति ने पत्नी को रस्सी से नीचे उतारा, लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी।

मजदूरो के शोषण को रोकने हेतू श्रमआयुक्त को न्यु स्वत्तंत्र मजदूर युनियन ने दिया ज्ञापन

सूरत : सूरत शहर में आए दिन मजदूरो के शोषण की खबरे प्रकाशित होती रहती है। ऐसी ही एक घटना पांडेसरा जीआईडीसी के गुप्ता टेक्ष प्रिन्टस प्रा.लि. सामने आया है।

पांडेसरा जीआईडीसी के गुप्ता टेक्ष प्रिन्टस प्रा.लि. में काम करनेवाले मजदूरो के साथ पिछले कई वक्त से अन्याय होता आ रहा है। मजदूरो के साथ छेतरपींडी कि जा रही है जिससे परेशान होकर इस मील के मजदूरो ने न्यु स्वतंत्र भारत मजदूर युनियन में जाकर शिकायत की और मदद की गुहार लगाई। युनियन के प्रमुख राजनाथ सिंह राजपूत द्वारा पुलिस परमिशन के साथ गुप्ता टेक्ष पिन्ट्स प्रा.लि. के सामने से श्रमआयुक्त बहुमाली तक पैदल रैली निकालकर कमिश्नर को ज्ञापन दिया गया। युनियन प्रमुख एवं कांग्रेसी नेता राजनाथसिंहने बताया कि गरीब परप्रांतिय मजदूरो के शारिरीक एवं आर्थिक शोषण मिल मालिक द्वारा खुलेआम किया जा रहा है। इस मील में कुछ मजदूर तो ऐसे है जो पिछले 20 सालों से काम कर रहे है, लेकिन आज तक किसी भी मजदूर को पीएफ, बोनस, हक्क रजा जैसी सुविधाए भी नही दि जाती है।

इस मील मालिक ने तो कई मजदूरो को पिछले कई महिनो की पगार भी नहीं दी है। जिससे परेशान हो कर मजदूरो ने युनियन का सहारा लिया। और श्रमआयुक्त कमिश्नर को ज्ञापन दिया।

ट्रान्सपोर्टरो की हडताल यथावत: मार्केटो में कार्य ठप्प

सूरत, 23 जुलाई। ट्रान्सपोर्टरो की देशव्यापी हडताल के चलते शहर की टेक्सटाइल मार्केटों में कार्य ठप्प हो जाने से मजदूर और कारीगर सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। हडताल लंबी चलने की संभावना दिखाई दे रही है। डिजल सहित उंचे टोल टेक्स और टीडीएस की मुक्ति की मांग के साथ ट्रान्सपोर्टरों द्वारा देशव्यापी हडताल शुरु की गई है।

पिछले तीन दिन की हडताल के बाद आज सोमवार को टेक्सटाइल मार्केट खुला लेकिन ट्रान्सपोर्ट हडताल के कारण मार्केटों में कामकाज ठप्प सा रहा। विविध मार्केटो में बाहर गांव भेजने के लिए रखे गये पार्सलों का अंबार लग गया है। मार्केटो की लोबी और दुकानों में पार्सल रखने की जगह कम हो जाने से कामकाज बंद करना पडा है। ट्रान्सपोर्टरो की हडताल का सर्वाधिक प्रभाव मार्केट के कारीगरो, ट्रांसपोर्ट के साथ जुडे ठेले-टेम्पो चालक तथा मजदूरों पर पड रहा है।

आज सतत चार दिन की हडताल के चलते मजदूरो को रोजगार नहीं मिल रहा। ट्रान्सपोर्टरों की देशव्यापी हडताल को देशव्यापी संपूर्ण प्रतिसाद मिलने से हडताल लंबी चलने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

सीएनजी पंपो पर पसरा सन्नाटा

सूरत। ट्रांसपोर्ट संचलाकों की हड़ताल चार दिन से जारी है, और अब सीएनजी पंप संचालक ने भी सोमवार से बेमियादी हड़ताल की है। सीएनजी पंप संचालकों का कहना है कि उन्हें पीएसयू पंप संचालकों के मुकाबले कम सर्विस चार्ज मिलता है। पेट्रोल-डीजल के साथ सीएनजी गैस बेचने वाले पीएसयू पंप धारकों को प्रति किलो 3.11 रुपए और सीएनजी पंप धारों को 2.60 रुपए सर्विस चार्ज चुकाया जाता है। सीएनजी फ्रेंचाइजी एसोशिएशन की और से इस सिलसिलें में गुजरात गैस कंपनी को कई बार शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसलिए राज्यभर में फ्रेंचाइज पंप धारकों ने 23 जुलाई से पंप बंद करने का ऐलान किया है। पूरे गुजरात में 60 और सूरत में 35 सीएनजी पंप बंद रहेंगे। सूरत में एक दिन में 7 से 10 हजार किलो सीएनजी गैस की बिक्री होती है, जो सोमवार से बाधित होगी। सीएनजी पंप संचालक एसोशिएशन के प्रमुख नीरज मोदी ने कहा कि कंपनी की और से हमारे साथ अन्याय किया जा रहा है। सीएनजी पंप के नजदीक के पेट्रोल पंप को भी सीएनजी पंप के लिए लाइसेंस दे दिया जाता है। इससे हमारा व्यापार घट जाता है। इसके अलावा हमें उनकी अपेक्षा क्कमीशन भी कम दिया जाता है। यदि कोई सीएनजी संचालक पंप बंद करना चाहता है तो उसे 18 महीनें पहले नोटिस देने की बात कहकर रोक दिया जाता है।

गौरी व्रत शुरु : २५ से जया पार्वती व्रत भी शुरु होंगे

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में त्यौहारो की सिजन शुरु हो चुकी है। गौरी वर्त की आज से शुरुआत हुई । सोमवार को देवयशनी अकादशी पर देवो का सयन होने के साथ ही चार महिने तक शहनाईओं की गुंज एवं यज्ञोपवित जैसे शुभ कार्य बंद हो चुकी है। अब दिपावली के बाद देवउठनी अकादशी के बाद देव जागने के पश्चात विवाह आदी शुभ कार्य शुरु होंगे। दुसरी ओर आज से ही बालिकाओं के गौरी व्रत की शुरुआत हुई। २८ तारीख को बालिकाए जागरण मनाएगी। जानकार लोगों का कहना है कि अषाढ शुक्ल पक्ष की अकादशी पर आज भगवान विष्णु शयन के लिए चले गए है और चार महिने के बाद कार्तिक अकादशी को उठते हैं जिससे इसे देवशयनी अकादशी भी कहते है । इसके साथ ही अब चार महिने तक विवाह जैसे शुभ कार्य नहीं होंगे।

चार महिनों के दौरान दान, पुण्य एवं धार्मिक कार्यक्रमों का महत्व ज्यादा रहता है । इसके अलावा २५ जुलाई से जया-पार्वती व्रत की शुरुआत हो रही है जो २९ जुलाई को पूर्ण होंगे । गौरी व्रत में कन्याएं ज्वारे की पूजा-अर्चना करती दिखाई देती है। दुसरी और जया-पार्वती व्रत में युवती एवं महिलाए भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर शौभाग्य एवं सुख शांति की प्राथना करती है। दोनों व्रत में भगवान शिव की आराधनी की जाती है। त्यौहारों की सिजन की शुरुआत हो रही है तब जैन चौमासी चौदस भी २६ जुलाई को मनाई जाएगी। इसके साथ ही जैनो के चतुर्थमास की शुरुआत होगी। जो चार महिने तक चलेंगे। आज गौरी व्रत की शुरुआत होने की साथ ही बालिकाए सुबह बगीचो और अन्य जगहों पर ज्वारे की पूजा करती हुई दिखाई दी। इसके अलावा एक दिन पहले ही पूजा की सामग्री एवं अन्य चीजों की खरीदी कर ली गई थी।

अब मोल और मल्टीप्लेक्ष के संचालक नहीं कर पाएगे पार्किंग चार्ज के नाम पर मनमानी

सूरत शहर पुलिस कमिश्नर का जाहेरनामा : मोल, मल्टीप्लेक्ष, सिनेमा घर में अगर कोई पार्किंग के लिए चार्ज वसूले तो होगी जेल या भारी दंड

सूरत : हाईकोर्ट के आदेश के बाद अहमदाबाद पुलिस ने मोल और मल्टिप्लेक्स के पार्किंग नाबूद करने का फैसला लिया। जिसको ध्यान में लेकर सूरत शहर पुलिस कमिश्नर ने भी शहर के मोल, मल्टीप्लेक्स, और सिनेमाघर के मालिको को पार्किंग चार्ज नाबुद करना का आदेश दिया है। और अगर इस आदेश का उल्लंघन किया जाएगा तो कडक कार्यवाही करने की चेतावनी दि है। सूरत शहर पुलिस कमिश्नर द्वारा मोल एवं मल्टिप्लेक्स के संचालको को नोटिस दे दिया गया है, जिससे आज से कोई भी मोल या पल्टिप्लेस में पार्किंग चार्ज वसूल नहीं किया जा सकता।

शहर के डुमस रोड स्थित वी.आर. मोल, राहुल राज मोल, सरथाणा के दिपकमल मोल, जैसे बड़े बडे मोलो में पार्किंग के नाम पर सोम से शुक्रवार 30 रुपये और शनिवार -रविवार को 40 रुपये पार्किंग चार्ज वसूल किया जा रहा था। और बाईक पार्किंग के 10 रुपये लिये जा रहे थे। जिससे लोगो को पार्किंग की भारी समस्या हो रही थी और लोग बहार रोड़ पर ही पार्किंग करके ट्राफिक की समस्या खड़ी करते है। ऐसे में सूरत शहर पुलिस कमिश्नर का यह आदेश शहर के लोगो के लिए आर्शिवाद के समान है। लोगो ने पुलिस कमिश्नर और म्यु.कमिश्नर से उम्मीद लगाए हुए है कि शहर के एस.एम.सी .के पे एन्ड पार्क के पार्किगो में भी पहला आधा धंटा पार्किंग चार्ज फ्रि किया जाए जिससे शहर के लोगो से छोटे बड़े कामो के लिए जो पार्किंग चार्ज वसूल किया जाता है, जिससे लोगो को थोड़ी राहत मिले और पार्किंग का सही इस्तेमाल हो और लोग यहाँ वहां पार्किंग करने के बजाए पे एन्ड पार्क में पार्किंग करे जिससे शहर की ट्राफिक की समस्या कुछ हद तक कम हो सकती है।

लोगो की पुलिस कमिश्नर से और मनपा कमिश्नर से मांग : एस.एम.सी पे एन्ड पार्क में भी पहला आधा घंटा हो चार्ज फ्रि, जिससे लोग छोटे - बड़े कामो के लिए यहाँ वहाँ पार्किग ना करे और ट्राफिक कि समस्या का हल निकल पाए

शहर में पड़े हुए गड्डें लोगों के लिए खतरनाक : कोर्ट

अहमदाबाद । अहमदाबाद शहर में हाईकोर्ट के निर्देश की असर अब सही माइने में जमीनी स्तर पर दिखाई दे रही है। दुसरी ओर हाईकोर्ट का आक्रमक रवैया दिख रहा है । गुजरात हाईकोर्ट ने आज एक बार फिर अहमदाबाद शहर में पड़े हुए खतरनाक गड्डों को लेकर जरुरी दिशा निर्देश जारी किए। हाईकोर्ट ने बताया कि शहर में पडे बड़े गड्डे नागरिकों के लिए खतरनाक है। हाईकोर्ट ने रास्तों पर निर्माण दुर करने के लिए जरुरी कदम उठाने के भी निर्देश दिये है। ट्राफिक और पार्किंग के लिए नियमित रुप से कार्यवाई चलाने के भी पुलिस को निर्देश जारी किए हैं। अहमदाबाद शडर में ट्राफिक, खराब रास्ते और सार्वजनिक रास्तो पर पशुओं की समस्या के मामले में गुजरात हाईकोर्ट में महत्वपूर्ण सुनवाई की गई । इस दौरान हाईकोर्ट ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अफसरो और राज्य सरकार के लोगों को जरुरी दिशा निर्देश दिए।

जस्टीस एम.आर. शाह और जस्टीस ए.वाय. कोगजे की खंडपीठ ने शहर में पड़े हुए खतरनाक गड्डों पर चिंता व्यक्त करते हुए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अफसरों के लिए जरुरी दिशा निर्देश जारी किए। इसके अलावा कठोर रवैया भी अपनाया । हाईकोर्ट ने साफ शब्दो में कहा कि शहर में पड़े हुए बड़े गड्डे खतरनाक है। इन गड्डों के कारण गंभीर दुर्घटनाए और जानहानि होने की दहशत है।

धान के पौंधे खराब होने की आशंका

भारी बारिश के चलते बुआई कार्य पर भी असर

आणंद । बोरसद तहसील में भारी बारिश के चलते रास-धुवारण मार्ग स्थित रास, अमियाद सहित विभिन्न स्थलों पर खेतों में पानी घुस गया । चारों ओर पानी ही पानी होने से खेत तालाब जैसे लग रहे है, ऐसे में बुआई कार्य ठप हो गया है । जिन किसानों ने धान की पौध रोपी है, वह भी खराब होने की आशंका जताई जा रही है । रास एवं अमियाद गांव के किसान ज्यादातर धान की फसल करते है । करीब ९० बीघे जमीन में धान की फसल लगाई जाती है, लेकिन फिलहाल खेतों में पानी भरा होने से बुआई कार्य ठप हो गया है । लोगों का कहना है कि करीब ९०० बीघे जमीन में धान की बुआई की जाती है । यह सही है कि धान की पौध को पानी की ज्यादा जरुरत होती है, लेकिन अधिक पानी भी नुकसानदायक होता है । ज्यादा दिनों तक पानी भरा रहने से फसल नष्ट होने की संभावना रहती है, ऐसे में किसान चिन्तित है ।

फिलहाल पानी ज्यादा भरा होने से धान की बुआई सहित अन्य फसलों का बुआई कार्य भी ठप हो गया है । अमियाद बस स्टैंड के निकट गरनाला है, जिसकी सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी प्रेशर से नहीं निकलता है और खेतो में भरा रह जाता है । ऐसे में फिलहाल खेती का कार्य ठप है । पानी शीध्र नहीं उतरा तो पौधे रोपे गए हैं, वह भी नष्ट होने की आशंका है । नहर विभाग की ओर से नाला बनाया गया है, लेकिन सफाई के अभाव में पानी नहीं निकला है । किसानों को देरी से बुआई करनी पडती है । कांस विभाग की ओर से सिर्फ कागजों पर कार्य बताया गया है, हकीकत में सफाई कार्य नहीं किया गया है । फिलहाल खेतो में चार फीट पानी भरा है, ऐसे में कैसे पौधे रोपे जाए ये किसानो के लिए चिंता का विषय है ।

पार्किंग के मामले में पुलिस और लोगों के बीच मारपीट

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट की फटकार बाद ट्राफिक विभाग और पुलिस प्रशासन द्वारा शहर में अवैध और अंधाधुंध पार्किंग के विरूद्ध प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है तब इसे लेकर शहर में कहीं पुलिस और लोगों के बीच भिड़न्त होने की घटना सामने आयी है । ऐसे ही एक मामले में शहर के पंचवटी चार रास्ते के पास नो पार्किंग जोन में कार टो किए जाने पर वाहनमालिकों ने ट्राफिक पुलिस पर हमला करने पर मामला बिगड़ गया था । पुलिस और लोग आमनेसामने आ गये थे, जिसे लेकर माहौल तनावपूर्ण हो गया, लोगों की भीड़ घटना स्थल पर एकत्र हो गये । हालांकि बाद में पुलिस ने अतिरिक्त स्टाफ और पुलिस वान बुलाकर पुलिस पर हमला करने के प्रकरण में दो महिला सहित छह लोगों को हिरासत में लिया गया । सोमवार को ट्राफिक पुलिस ने अंधाधुंध पार्क हो रहे वाहनों के विरूद्ध पंचवटी के थर्ड आई कॉम्प्लेक्स में ड्राइव चलाया था ।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com